be kept in view at the time of filling up any vacancy that may arise in any commission.

Barhalganj-Bahraich Line

1532. Shri Sinhasan Singh: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether any steps in connection with the survey for the opening of a Railway Line between Barhalganj and Bahraich have been taken; and

(b) if so, the results thereof?

The Minister of Railways (Shri Jagjivan Ram): (a) and (b). No, Sir. The project has not been included in 842 miles of new lines approved by the Planning Commission for construction during the Second Five Year Plan.

E. C. A. F. E.

1533. Shri Raghunath Singh: Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that twenty representatives of seven Asian nations met recently at Bangkok under the auspices of E.C.A.F.E.; and

(b) if so, whether India participated at the meeting?

The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Humayun Kabir): (a) The E.C.A.F.E. convened a Working Party of experts to discuss technical problems relating to the development of Inland Ports from the 19th to the 29th August, 1957 at Bangkok.

(b) Yes, Sir.

बाराबंकी में सामुदायिक विकास खंड

१५३४. **श्री यादव :** क्या सामुदायिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सामुदायिक विकास खंडों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अब तक कितनी राशि व्यय की जा चुकी है ; और

(ख) इस समय वहां जो खंड वास्तव में चल रहे हैं, उन पर कितना व्यय करने का विचार है ?

सामुदायिक विकास मंत्री (श्री लु० बु० डे०) : बाराबंकी जिले में तीन सामुदायिक विकास खंड हैं । अपेक्षित जानकारी, जो कि राज्य सरकार द्वारा भेजी गई मासिक प्रगति प्रतिवेदन से प्राप्त की गई है, निम्नलिखित है :

(क) सहायक अनुदान — रु० ४.२२ लाख
उधार — रु० १.४६ लाख
} मार्च १९५७ के अन्त तक

(ख) सहायक अनुदान — रु० १०.३६ लाख
उधार — रु० १२.०४ लाख ।

हिमाचल प्रदेश में सरकारी वैद्य

१५३५. **श्री पद्म देव :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि हिमाचल प्रदेश में राज्य सेवा में अस्थायी तौर पर वैद्यों की नियुक्ति की गई है ;

(ख) क्या यह सच है कि राजाओं के शासन में जिन वैद्यों को पक्का कर दिया गया था उन्हें भी अस्थायी कर दिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और उनकी नौकरी कब स्थायी की जायेगी ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री करमरकर) : (क) और (ख) . जी, हां ।

(ग) हाल के अग्नि-कांड से हिमाचल प्रदेश प्रशासन के संबंधित कागजात नष्ट हो गये हैं और इस संबंध में प्रशासन सूचना एकत्र कर रहा है।

पीलीभीत टनकपुर लाइन पर रेलगाड़ियां

१५३६. **श्री मोहन स्वरूप** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पीलीभीत से चलने वाली सवारी गाड़ियों को टनकपुर पहुंचने में ६ घंटे लगते हैं जब कि इन दोनों स्टेशनों के बीच का फासला केवल ३६ मील है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस लाइन पर स्लीपरों के बीच में पत्थर नहीं डाले गये हैं और लाइन को कच्चा रखा गया है ; और

(ग) इन लाइनों को पक्का करने और उन पर चलने वाली गाड़ियों की गति बढ़ाने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

रेलवे मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) ३८½ मील लम्बे पीलीभीत-टनकपुर सेक्शन पर सिर्फ दो अप और दो डाउन मिली-जुली गाड़ियां चलती हैं। १ अप्रैल, १९५७ से जो समय सारणी (Time Table) लागू हुई, उसके अनुसार एक गाड़ी को एक तरफ की दूरी तय करने में ३ घंटे १० मिनट और दूसरी को ३ घंटे ४५ मिनट लगते थे। लेकिन बरसात के कारण रफ्तार में इंजीनियरिंग संबंधी अस्थायी पाबन्दी लगायी गयी, उसकी वजह से गाड़ियों के समय में कुछ परिवर्तन करना पड़ा। ३ अगस्त, १९५७ से यह रास्ता, गाड़िया ४ घंटे ५५ मिनट में तय करती हैं।

(ख) इस शाखा लाइन सेक्शन में सब जगह मिट्टी इस्तेमाल की गयी है गिट्टी नहीं। इस सेक्शन पर अधिकतर इमारती लकड़ी ढोयी जाती है।

(ग) इस सेक्शन में ४१½ पौंड की पटरियां बिछी हैं। १९५९-६० में इनकी जगह ५० पौंड की पटरियां बिछाने का विचार है। पटरी बदलने के बाद इस सेक्शन पर गिट्टी डालने का भी विचार है। भारी पटरी बिछाने और गिट्टी डालने के बाद गाड़ियों की रफ्तार में भी सुधार होगा।

इज्जतनगर-लखनऊ रेल मार्ग

१५३७. **श्री मोहन स्वरूप** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर लखनऊ डिवीजन में कितने पौंड की रेल की लाइनें लगी हुई हैं ;

(ख) उपरोक्त डिवीजन में कितने समय से स्लीपर नहीं बदले गये हैं ;

(ग) क्या सरकार को यह ज्ञात है कि नैनीताल एक्सप्रेस के यात्रियों को कच्ची लाइन तथा भारी इंजनों के कारण यात्रा करते समय बहुत धक्के लगते हैं और उन्हें गाड़ी के किसी भी समय उलट जाने का भय लगा रहता है ; और

(घ) इस स्थिति में सुधार करने और गाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

रेलवे मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जत नगर-लखनऊ सेक्शन में ५० पौंड की पटरियां बिछी हुई हैं।

(ख) नियमित कार्यक्रम के अनुसार खराब स्लीपरों की बदलाई की जाती है। सुरक्षा की दृष्टि से बेकार स्लीपरों का प्रतिशत निर्धारित सीमा में रखने के लिये उन्हें हर साल बदल दिया जाता है।

(ग) जहां कहीं पटरी कमजोर पाई जाती है उसकी मरम्मत की जाती है ताकि रेल-पथ अच्छी हालत में रहे।